दाऊद ने अपने बुरे शत्रुओं को क्षमा किया था।

इन क्रियाकलापों में से बच्चों की आयु और आवश्यकतानुसार चुन लें। और अपनी इच्छानुसार जैसा चाहते हैं, वैसा करें।

प्रार्थना: "प्यारे प्रभु, आप चाहते हैं कि हम भी आपके समान पवित्र बनें, पूरी पवित्रता और प्रेम के साथ। दाऊद के उदाहरण से हमारी सीखने में सहायता कीजिये कि आप अपनी आत्मा की सामर्थ से हमें भी वैसा ही बनाना चाहते हैं। हमारे पापों को क्षमा कीजिये और हमारी सहायता कीजिये कि हम भी दाऊद के समान दूसरे लोगों को क्षमा कर सकें। आमीन्।"

शिक्षा देनें की तैयारी करें। प्रकाशितवाक्य 7:9-17 में स्वर्ग के बारे में पढ़ें, जहाँ पहुंचकर हम श्वेत वस्त्र धारण करेंगे।

एक कुरते का चित्र बनायें और बच्चे उसकी नकल करें

- यह कुरता दर्शाता है कि परमेश्वर चाहता है कि उसकी पवित्रता और प्रेम को हम पहन लें।
- परमेश्वर हमें श्वेत वस्त्र देंगे जो दर्शाता है कि परमेश्वर की दृष्टि में हमें वह पवित्र शुद्ध और अच्छा बनाना चाहते हैं।
- पढ़ें (1 शमूएल 24:1-22) या बतायें स्मरण शक्ति द्वारा कि दाऊद ने किस प्रकार अपने शत्रु शाऊल को क्षमा किया।
- किसी बड़े बच्चे को तैयार करें कि स्मरण शक्ति द्वारा इस कहानी को पढ़े या सुनायें।
- कहानी बताने से पहले बच्चों से कहें कि ध्यानपूर्वक सुने व खोज करें कि दाऊद ने किस प्रकार सम्मान-पूर्वक अपने शत्रुओं का सामना किया।

बच्चों से पूछें:

- बुरा राजा शाऊल दाऊद के साथ क्या करना चाहता था?
- दाऊद के पास कौन सा अवसर था, जब वह राजा शाऊल को मार सकता था?
- क्या दाऊद ने अपने शत्रु से बदला लिया?
- क्या दाऊद कोशिश कर रहा था कि वह इस्राएल का राजा बलपूर्वक बन जाये?
- शाऊल ने दाऊद के विषय में क्या कहा, कि वह किस प्रकार का मनुष्य था, जब दाऊद ने उसको जीवन-दान दिया?
- शाऊल को बुरा क्यों प्रतीत हुआ, जब उसने दाऊद को मानने की कोशिश की?

छोटे बच्चे मत्ती 5:44 याद करें।

बड़े बच्चे **गलतियों 5:22 और 23 याद करें।**

कविता.पाठ तीन बच्चे भजनसंहिता 15 की 1, 2 और 3 आयतों में से एक एक का उच्चारण करें।

नाटक करें (1 शमूएल अध्याय 24) पर आधारित जिसमें दाऊद ने शाऊल को क्षमा किया।

- आराधना के समय वयस्कों को नाटक दिखायें
- बच्चों के लिये, पढ़ाने का अभ्यास करें।
- अगर सम्भव हो सके, तो एक या दो बड़े लोग बच्चों के साथ मिलकर सिपाही बनें।

- यदि बच्चे यह सोच सकते हैं कि शाऊल और दाऊद ने क्या कहा था, या सिपाहियों ने तो उनको रोकिये नहीं उन्हें कहने के लिए जैसे नीचे दिया गया है। बच्चे अपने शब्दों को जोड़ सकते हैं शाऊल या दाऊद ने जो कहा था, उसमें!
- बड़े बच्चे छोटे बच्चो की तैयारी में सहायता करें।
- नाटक प्रस्तुत करने के बाद, बच्चे वयस्कों से प्रश्न पूछ सकते हैं।
- बड़ें बच्चे (या आदमी) इन भागों को करें

शाऊल: एक कम्बल या चादर को कुरते के समान लपेटें

दाऊद: (बड़े बच्चे द्वारा यह पात्र बन सकता है) एक लकड़ी या कार्ड बोर्ड की तलवार बनायें और एक टुकड़ा कपड़ा उसी रंग का जिस प्रकार शाऊल का कुरता था। इस टुकड़े को अपने हाथ में छिपा लें जब तक ऐसा प्रतीत न हो कि यह टुकड़ा आपने शाऊल के कुरते में से काटा हो तलवार के द्वारा।

- **शाऊल के सिपाही** (जवान बच्चों द्वारा पात्र बने, एक वयस्क या बड़ा बच्चे भी सिपाही बन सकते हैं)
- **दाऊद के सिपाही** (जवान बच्चे, या एक वयस्क या एक बड़ा बच्च इसमें सम्मिलित हो सकते हैं।

नाटक

दाऊद और उसके सिपाही: शाऊल से छिपते हुए कुर्सियों से पीछे छिपने का नाट करें मानों झाड़ियों में छिपे हों, या कमरे के एक तरफ।

शाऊल: अपने सिपाहियों को जहां दाऊद छिपा हुआ था वहाँ दिखाते हुऐ। चिल्लाते हुए, "मेरे बहादुर सिपाहियों सुनो! मैं दाऊद से घृणा करता हूँ। लोग उसकी प्रशंसा मुझसे अधिक करते हैं। किन्तु मैं तो राजा हूँ। राजा शाऊल! जाओ दाऊद को ढूंढो और उसको मार डालो। अब उसको मार डालो।

शाऊल के सिपाही: राजा शाऊल को आदरपूर्वक कहते हैं, "जी सरकार।" महाराज आपकी आज्ञानुसार हो। "हम उसे मार डालेंगे।" मैं सोचता हूँ हमें इस तरफ से जाना चाहिये। आईये।" (दाऊद और उसके सिपाहियों की ओर से दूसरी ओर बढ़ जाते हैं।) दाऊद को ढूंढते हुये उसके चारों ओर शाऊल वही खड़ा रहता है जहाँ पर वह था।)

शाऊल: अपना कुरता उतार कर एक ओर रख देता है। कुरते की तरफ पीठ करके और आखें बन्द कर लेता है। अपने सिर को घुमाकर नीचे रखते हुये मानो सो रहा हो।

दाऊद के सिपाही: "दाऊद, देखो। तुम्हारा शत्रु शाऊल आराम कर रहा है।" जाओ और उसे मार दो, दाऊद।"

दाऊद: शाऊल के पीछे चुपचाप जाकर अपनी तलवार हाथ में लेकर।

दाऊद के सिपाही: "मार डालो उसको! जल्दी! मार डालो। "यह आपका शत्रु है।"

दाऊद: "नहीं मैं उसको नहीं मारूँगां क्योंकि वह परमेश्वर द्वारा अभिषिक्त किया गया है कि इस्राएल जाति पर राज्य करे।"

दाऊद के सिपाही: "मारो डालो अभी मार डालो यह तो आपको अवसर मिला है।"

दाऊद: शाऊल के कुरते में से एक टुकड़ा कपड़े का काट लेता है। (दर्शाता है) उसको मज़बूती से पकड़ लेता है। फिर अपने सैनिको की ओर मुड़कर आप ज़ोर से ऊँचे शब्दों में कहेंगे शाऊल को "मेरे राजा। देखा, एक आपके कुरते का टुकड़ा मेरे हाथ में है। मैंने इसे काटा है, लेकिन मैंने आपको मारा नहीं। देखा मैं गलत काम करने वाला अपराधी नहीं हूँ और न हीं शत्रुता रखने वाला अपराधी हूँ मैंने आपके विरोध में कोई गलत काम नहीं किया लेकिन आप फिर भी शिकारी के समान मुझे मार डालना चाहते हैं।"

शाऊलः “मेरे बेटे दाऊद, क्या तुम हो? ओह, मुझे क्षमा कर दो।

(उसकी आखों से आँसू बहते हैं) “तुम तो मुझसे अधिक धर्मी हो। तुमने मेरे साथ अच्छा व्यवहार किया, लेकिन मैंने बुरा इसलिये परमेश्वर ने मुझे, तुम्हारे हाथ में दे दिया, पर तुमने मुझे मारा नहीं। लेकिन अब मैं जान गया हूँ कि तुम अवश्य ही इस्राएल देश के राजा बनोगे।”

बड़े बच्चे ‘दूसरों को माफ करने’ वाले, विषय पर कविताएँ तथा गीत बनाएँ।